कार्यालय उप निबन्धक लखनऊ जनपद, लखनऊ

भार मुक्त प्रमाण – पत्र बजरिये ख्वातौनी एवं शपथ पत्र के आधार पर जारी

प्रार्थना–पत्र संख्या 1832/2017

प्रमाण–पत्र संख्या 1829/2017

श्री गर्ग फिनटेक प्रा० लि० अधिकृत हस्ताक्षरी श्री अशोक कुमार उपाध्याय ने निम्नलिखित के स्वामित्व के समबन्ध में प्रमाण–पत्र द्वारा [illegible] हेतु मेरे समक्ष आवेदन–पत्र प्रस्तुत किया। खाता संख्या-00565-खसरा संख्या- 3204/1.1350 [illegible] भाग हे० का रकबा भाग स्थित - ग्राम - मल्ली पश्चिम परगना बिजनौर तहसील व जिला लखनऊ।

जैसा आवेदन–पत्र में दिया है।

मैं एतद् द्वारा प्रमाणित करता हूँ कि (उक्त सम्पत्ति से सम्बन्धित) बड़ी संख्या में एवं उनसे सम्बन्धित इन्डोक्सों का वर्ष 2006 से 2017 तक तलाश किया गया था, उक्त सम्पत्ति पर निम्नलिखित भार पाये गये :–

क्रम सं०	सम्पति का विवरण	निष्पादन तिथि	किसी भी लेखपत्र का व सम्पत्ति का मूल्यांकन	निष्पादन की तिथि	दावेदारी का नाम	लेखपत्र संख्या / लेखपत्र वर्ष

उपलब्ध अभिलेखों के आधार पर वजाहिर कोई भार नहीं पाया गया –

नोट– १. प्रमाण–पत्र में दाखिल भार की तलाश प्रार्थी प्रस्तुत सम्पत्तियों के विवरण के सन्दर्भ में कि गयी है, निबन्धित लेखपत्रों में यदि सम्पत्तियों प्रार्थी द्वारा दर्शित दूरी से भिन्न दिखाई है तो ऐसे मामले इस प्रमाण–पत्र में सम्मिलित नहीं किये गये हैं।

२. सम्बन्धित अधिकारी द्वारा वाँछित तलाश में तथा सावधानी वरती गयी है, फिर भी किसी त्रुटि की दशा में उत्तरदायी नहीं होगा।

३. प्रमाण–पत्र में लेखपत्र जो कार्यालय में प्रस्तुत नहीं हुए किन्तु उनका अध्यावधिक निबन्धन हुआ है, सम्मिलित नहीं किये गये हैं।

4. यह भारमुक्त प्रमाण–पत्र किसी प्राकार के स्वामित्व का प्रमाण नहीं है।

तलाश करने वाले व प्रमाण–पत्र तैयार करने वाले लिपिक के हस्ताक्षर

उप निबन्धक (प्रथम) लखनऊ

निबन्धन अधिकारी के हस्ताक्षर

01/8/17

तलाश का सत्यापित एवं प्रमाण पत्र का परीक्षण करने वाले के हस्ताक्षर

कार्यालय उप निबन्धक लखनऊ जनपद, लखनऊ

भार मुक्त प्रमाण – पत्र बजारिये ख्वातौनी एवं प्रार्थना पत्र के आधार पर जारी

प्रार्थना–पत्र संख्या 1831/2017

प्रमाण–पत्र संख्या 1827/2017

श्री गर्व थिनटेक प्रा० लि० अधिकृत हस्ताक्षरी अशोक कुमार उपाध्याय द्वारा दिनेश निगम ने निम्नलिखित के स्वामित्व के समबन्ध में प्रमाण–पत्र हेतु मेरे समक्ष आवेदन–पत्र प्रस्तुत किया। खाता संख्या -00544 -खसरा सं०-1262, 1263, 1411, 1261, 1358, 1362, 1363, 1379, 1380, 1381, 1382, 1283, 1402, 14003, 1421, 2809, 3138 हे० कुल 18 किता कुल रकबा 1.2230 हे० का बकदर भाग स्थित ग्राम -बल्ली पश्चिम परगना बिजनौर तह० सरोजनी नगर जिला लखनऊ। जैसा आवेदन–पत्र में दिया है।

मैं एतद् द्वारा प्रमाणित करता हूँ कि (उक्त सम्पत्ति से सम्बन्धित) बड़ी संख्या में एवं उनसे सम्बन्धित इन्डोक्सों का वर्ष 2006 से 2017 तक तलाश किया गया था, उक्त सम्पत्ति पर निम्नलिखित भार पाये गये :–

क्रम सं०	सम्पति का विवरण	निष्पादन तिथि	किसी भी लेखपत्र का व सम्पत्ति का मूल्यांकन	निष्पादन की तिथि	दावेदारी का नाम	लेखपत्र संख्या / लेखपत्र वर्ष

उपलब्ध अभिलेखों के आधार पर बजाहिर कोई भार नहीं पाया गया।

नोट– १. प्रमाण–पत्र में दाखिल भार की तलाश प्रार्थी प्रस्तुत सम्पत्तियों के विवरण के सन्दर्भ में कि गयी है, निबन्धित लेखपत्रों में यदि सम्पत्तियों प्रार्थी द्वारा दर्शित दूरी से भिन्न दिखाई है तो ऐसे मामले इस प्रमाण–पत्र में सम्मिलित नहीं किये गये हैं।

२. सम्बन्धित अधिकारी द्वारा वाँछित तलाश में तथा सावधानी वरती गयी है, फिर भी किसी त्रुटि की दशा में उत्तरदायी नहीं होगा।

३. प्रमाण–पत्र में लेखपत्र जो कार्यालय में प्रस्तुत नहीं हुए किन्तु उनका अध्यावधिक निबन्धन हुआ है, सम्मिलित नहीं किये गये हैं।

4. यह भारमुक्त प्रमाण–पत्र किसी प्राकार के स्वामित्व का प्रमाण नहीं है।

तलाश करने वाले व प्रमाण–पत्र
तैयार करने वाले लिपिक के हस्ताक्षर

उप निबन्धक (प्रथम)
लखनऊ
निबन्धन अधिकारी के हस्ताक्षर

01/8/17

तलाश का सत्यापित एवं प्रमाण पत्र
का परीक्षण करने वाले के हस्ताक्षर

कार्यालय उप निबन्धक लखनऊ जनपद, लखनऊ

भार मुक्त प्रमाण – पत्र

अभिलेखीय खतौनी एवं प्रार्थना पत्र के आधार पर जारी

प्रार्थना–पत्र संख्या 1833/2017

प्रमाण–पत्र संख्या 1829/2017

श्री गर्ग रियलटेक प्रा० लि० अधिकृत हस्ताक्षरी अशोक कुमार उपाध्याय द्वारा दिनेश निगम ने निम्नलिखित के स्वामित्व के समबन्ध में प्रमाण–पत्र हेतु मेरे समक्ष आवेदन–पत्र प्रस्तुत किया। खाता संख्या-01418-खसरा संख्या-2538मि०-2539मि० 2474मि० 2251, कुल विक्रीत-रकबा-0.9690हे० का भूखण्ड भाग स्थित-ग्राम-मल्ली पश्चिम-परगना बिजनौर तह० सरोजनी नगर जिला लखनऊ।

जैसा आवेदन–पत्र में दिया है।

मैं एतद् द्वारा प्रमाणित करता हूँ कि (उक्त सम्पत्ति से सम्बन्धित) बड़ी संख्या में एवं उनसे सम्बन्धित इन्डोक्सों का वर्ष 2006 से 2017 तक तलाश किया गया था, उक्त सम्पत्ति पर निम्नलिखित भार पाये गये :–

क्रम सं०	सम्पति का विवरण	निष्पादन तिथि	किसी भी लेखपत्र का व सम्पत्ति का मूल्यांकन	निष्पादन की तिथि	दावेदारी का नाम	लेखपत्र संख्या / लेखपत्र वर्ष

उपलब्ध अभिलेखों के आधार पर बजाहिर कोई भार नहीं पाया गया –

नोट– १. प्रमाण–पत्र में दाखिल भार की तलाश प्रार्थी प्रस्तुत सम्पत्तियों के विवरण के सन्दर्भ में कि गयी है, निबन्धित लेखपत्रों में यदि सम्पत्तियों प्रार्थी द्वारा दर्शित दूरी से भिन्न दिखाई है तो ऐसे मामले इस प्रमाण–पत्र में सम्मिलित नहीं किये गये हैं।

२. सम्बन्धित अधिकारी द्वारा वाँछित तलाश में तथा सावधानी वरती गयी है, फिर भी किसी त्रुटि की दशा में उत्तरदायी नहीं होगा।

३. प्रमाण–पत्र में लेखपत्र जो कार्यालय में प्रस्तुत नहीं हुए किन्तु उनका अध्यावधिक निबन्धन हुआ है, सम्मिलित नहीं किये गये हैं।

4. यह भारमुक्त प्रमाण–पत्र किसी प्राकार के स्वामित्व का प्रमाण नहीं है।

तलाश करने वाले व प्रमाण–पत्र
तैयार करने वाले लिपिक के हस्ताक्षर

उप निबन्धक (प्रथम)
लखनऊ
निबन्धन अधिकारी के हस्ताक्षर
01/8/17

तलाश का सत्यापित एवं प्रमाण पत्र
का परीक्षण करने वाले के हस्ताक्षर

कार्यालय उप निबन्धक लखनऊ जनपद, लखनऊ

भार मुक्त प्रमाण – पत्र कम्प्यूटर ऑनलाइन एवं अभिलेख पत्र के आधार पर जारी

प्रार्थना–पत्र संख्या 1834/2017

प्रमाण–पत्र संख्या 1830/2017

श्री गार्ड बिल्डटेक प्रा० लि० अधिकृत हस्ताक्षरी अशोक कुमार उपाध्याय (द्वारा दिनेश निगम) ने निम्नलिखित के स्वामित्व के समबन्ध में प्रमाण–पत्र हेतु मेरे समक्ष आवेदन–पत्र प्रस्तुत किया। खाता सं० - 00740 · खसरा संख्या · 2871, 2876, 2878, 3039, कुल विक्रीत - रकबा - 0.1480 हे० का बकदर भाग स्थित ग्राम बल्ली परिचम परगना बिजनौर तहसील सरोजनी नगर लखनऊ।

जैसा आवेदन–पत्र में दिया है।

मैं एतद् द्वारा प्रमाणित करता हूँ कि (उक्त सम्पत्ति से सम्बन्धित) बड़ी संख्या में एवं उनसे सम्बन्धित इन्डोक्सों का वर्ष 2006 से 2017 तक तलाश किया गया था, उक्त सम्पत्ति पर निम्नलिखित भार पाये गये :–

क्रम सं०	सम्पति का विवरण	निष्पादन तिथि	किसी भी लेखपत्र का व सम्पत्ति का मूल्यांकन	निष्पादन की तिथि	दावेदारी का नाम	लेखपत्र संख्या / लेखपत्र वर्ष

उपलब्ध अभिलेखों के आधार पर पंजीकृत कोई भार नहीं पाया गया —

नोट– १. प्रमाण–पत्र में दाखिल भार की तलाश प्रार्थी प्रस्तुत सम्पत्तियों के विवरण के सन्दर्भ में कि गयी है, निबन्धित लेखपत्रों में यदि सम्पत्तियों प्रार्थी द्वारा दर्शित दूरी से भिन्न दिखाई है तो ऐसे मामले इस प्रमाण–पत्र में सम्मिलित नहीं किये गये हैं।

२. सम्बन्धित अधिकारी द्वारा वाँछित तलाश में तथा सावधानी वरती गयी है, फिर भी किसी त्रुटि की दशा में उत्तरदायी नहीं होगा।

३. प्रमाण–पत्र में लेखपत्र जो कार्यालय में प्रस्तुत नहीं हुए किन्तु उनका अध्यावधिक निबन्धन हुआ है, सम्मिलित नहीं किये गये हैं।

4. यह भारमुक्त प्रमाण–पत्र किसी प्राकार के स्वामित्व का प्रमाण नहीं है।

तलाश करने वाले व प्रमाण–पत्र
तैयार करने वाले लिपिक के हस्ताक्षर

उप निबन्धक (प्रथम)
लखनऊ
निबन्धन अधिकारी के हस्ताक्षर
01/8/17

तलाश का सत्यापित एवं प्रमाण पत्र
का परीक्षण करने वाले के हस्ताक्षर

कार्यालय उप निबन्धक लखनऊ जनपद, लखनऊ

भार मुक्त प्रमाण – पत्र बजाहिर खतौनी एवं शपथ पत्र के आधार जारी

प्रार्थना–पत्र संख्या 18351/2017

प्रमाण–पत्र संख्या 1831/2017

श्री ~~गौ पेन्टर के प्रा० लि०~~ अधिकृत हस्ताक्षरी अशोक कुमार उपाध्याय द्वारा ने निम्नलिखित के स्वामित्व के समबन्ध में प्रमाण–पत्र दिनेश मिश्र हेतु मेरे समक्ष आवेदन–पत्र प्रस्तुत किया। खाता संख्या–00905–खसरा संख्या–2843, 2844, 2862 2863ग, 2911, 2912क, 2591, 2991ख 3004ख 2461, 2861, 2902, 2914, 2866, 2868, 2869, 2863ख 2874, 2900, 2520, कुल विक्रीत रकबा 0.4821 हे० मु० ग्राम ... स्थित ग्राम मल्ली परगना बिजनौर तहसील व जि० लखनऊ जैसा आवेदन–पत्र में दिया है।

मैं एतद् द्वारा प्रमाणित करता हूँ कि (उक्त सम्पत्ति से सम्बन्धित) बड़ी संख्या में एवं उनसे सम्बन्धित इन्डेक्सों का वर्ष 2006 से 2017 तक तलाश किया गया था, उक्त सम्पत्ति पर निम्नलिखित भार पाये गये :–

क्रम सं०	सम्पति का विवरण	निष्पादन तिथि	किसी भी लेखपत्र का व सम्पत्ति का मूल्यांकन	निष्पादन की तिथि	दावेदारी का नाम	लेखपत्र संख्या / लेखपत्र वर्ष

उपलब्ध अभिलेखों के आधार पर बजाहिर कोई भार नहीं पाया गया —

नोट– १. प्रमाण–पत्र में दाखिल भार की तलाश प्रार्थी प्रस्तुत सम्पत्तियों के विवरण के सन्दर्भ में कि गयी है, निबन्धित लेखपत्रों में यदि सम्पत्तियों प्रार्थी द्वारा दर्शित दूरी से भिन्न दिखाई है तो ऐसे मामले इस प्रमाण–पत्र में सम्मिलित नहीं किये गये हैं।

२. सम्बन्धित अधिकारी द्वारा वाँछित तलाश में तथा सावधानी वरती गयी है, फिर भी किसी त्रुटि की दशा में उत्तरदायी नहीं होगा।

३. प्रमाण–पत्र में लेखपत्र जो कार्यालय में प्रस्तुत नहीं हुए किन्तु उनका अध्यावधिक निबन्धन हुआ है, सम्मिलित नहीं किये गये हैं।

4. यह भारमुक्त प्रमाण–पत्र किसी प्राकार के स्वामित्व का प्रमाण नहीं है।

तलाश करने वाले व प्रमाण–पत्र
तैयार करने वाले लिपिक के हस्ताक्षर

उप निबन्धक (प्रथम)
लखनऊ
निबन्धन अधिकारी के हस्ताक्षर
01/8/17

तलाश का सत्यापित एवं प्रमाण पत्र
का परीक्षण करने वाले के हस्ताक्षर

कार्यालय उप निबन्धक लखनऊ जनपद, लखनऊ

भार मुक्त प्रमाण – पत्र बजरिये खतौनी एवं शपथ पत्र के आधार पर जारी

प्रार्थना–पत्र संख्या 1836/2017

प्रमाण–पत्र संख्या 1032/2017

श्री गर्व बिल्डटेक प्रा० लि० अधिकृत हस्ताक्षरी अशोक कुमार उपाध्याय ने निम्नलिखित के स्वामित्व के समबन्ध में प्रमाण–पत्र (द्वारा दिनेश सिंह एडवो०) हेतु मेरे समक्ष आवेदन–पत्र प्रस्तुत किया। खाता संख्या – 01511 – खसरा संख्या – 3040 मि० 2354 मि० 2352 मि० 3241 मि०, 3288 मि० कुल ~~विक्रीत रकबा~~ – 1.1370 हे० का रकबा भाग स्थित – ग्राम – कल्ली पश्चिम परगना ~~बिजनौर~~ तहसील व जिला सरोजनी नगर लखनऊ। जैसा आवेदन–पत्र में दिया है।

मैं एतद् द्वारा प्रमाणित करता हूँ कि (उक्त सम्पत्ति से सम्बन्धित) बड़ी संख्या में एवं उनसे सम्बन्धित इन्डोक्सों का वर्ष 2006 से 2017 तक तलाश किया गया था, उक्त सम्पत्ति पर निम्नलिखित भार पाये गये :–

क्रम सं०	सम्पति का विवरण	निष्पादन तिथि	किसी भी लेखपत्र का व सम्पत्ति का मूल्यांकन	निष्पादन की तिथि	दावेदारी का नाम	लेखपत्र संख्या / लेखपत्र वर्ष
उपलब्ध अभिलेखों के आधार पर बजाहिर कोई भार नहीं पाया गया						

नोट– १. प्रमाण–पत्र में दाखिल भार की तलाश प्रार्थी प्रस्तुत सम्पत्तियों के विवरण के सन्दर्भ में कि गयी है, निबन्धित लेखपत्रों में यदि सम्पत्तियों प्रार्थी द्वारा दर्शित दूरी से भिन्न दिखाई है तो ऐसे मामले इस प्रमाण–पत्र में सम्मिलित नहीं किये गये हैं।

२. सम्बन्धित अधिकारी द्वारा वाँछित तलाश में तथा सावधानी वरती गयी है, फिर भी किसी त्रुटि की दशा में उत्तरदायी नहीं होगा।

३. प्रमाण–पत्र में लेखपत्र जो कार्यालय में प्रस्तुत नहीं हुए किन्तु उनका अध्यावधिक निबन्धन हुआ है, सम्मिलित नहीं किये गये हैं।

4. यह भारमुक्त प्रमाण–पत्र किसी प्राकार के स्वामित्व का प्रमाण नहीं है।

तलाश करने वाले व प्रमाण–पत्र तैयार करने वाले लिपिक के हस्ताक्षर

उप निबन्धक (प्रथम) लखनऊ

निबन्धन अधिकारी के हस्ताक्षर

01/8/17

तलाश का सत्यापित एवं प्रमाण पत्र का परीक्षण करने वाले के हस्ताक्षर

कार्यालय उप निबन्धक लखनऊ जनपद, लखनऊ

भार मुक्त प्रमाण – पत्र

प्रार्थना–पत्र संख्या 1316 (?) / 2017

प्रमाण–पत्र संख्या 1160 (?) / 2017

श्री .... ने निम्नलिखित के स्वामित्व के समबन्ध में प्रमाण–पत्र हेतु मेरे समक्ष आवेदन–पत्र प्रस्तुत किया।

जैसा आवेदन–पत्र में दिया है।

मैं एतद् द्वारा प्रमाणित करता हूँ कि (उक्त सम्पत्ति से सम्बन्धित) बड़ी संख्या में एवं उनसे सम्बन्धित इन्डोक्सों का वर्ष 2006 से 2017 तक तलाश किया गया था, उक्त सम्पत्ति पर निम्नलिखित भार पाये गये :–

क्रम सं०	सम्पति का विवरण	निष्पादन तिथि	किसी भी लेखपत्र का व सम्पत्ति का मूल्यांकन	निष्पादन की तिथि	दावेदारी का नाम	लेखपत्र संख्या / लेखपत्र वर्ष

नोट– १. प्रमाण–पत्र में दाखिल भार की तलाश प्रार्थी प्रस्तुत सम्पत्तियों के विवरण के सन्दर्भ में कि गयी है, निबन्धित लेखपत्रों में यदि सम्पत्तियों प्रार्थी द्वारा दर्शित दूरी से भिन्न दिखाई है तो ऐसे मामले इस प्रमाण–पत्र में सम्मिलित नहीं किये गये हैं।

२. सम्बन्धित अधिकारी द्वारा वाँछित तलाश में तथा सावधानी वरती गयी है, फिर भी किसी त्रुटि की दशा में उत्तरदायी नहीं होगा।

३. प्रमाण–पत्र में लेखपत्र जो कार्यालय में प्रस्तुत नहीं हुए किन्तु उनका अध्यावधिक निबन्धन हुआ है, सम्मिलित नहीं किये गये हैं।

4. यह भारमुक्त प्रमाण–पत्र किसी प्राकार के स्वामित्व का प्रमाण नहीं है।

तलाश करने वाले व प्रमाण–पत्र तैयार करने वाले लिपिक के हस्ताक्षर

उप निबन्धक (प्रथम)
लखनऊ

निबन्धन अधिकारी के हस्ताक्षर

01/8/17

तलाश का सत्यापित एवं प्रमाण पत्र का परीक्षण करने वाले के हस्ताक्षर